

ज्ञान मंथन

- 1) वाटर ग्लास के नाम से किसको जाना जाता है?
2) दसा के साथ आत में अवशोषित होने वाले कोन से विटामिन है?
3) देश में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से पहली बार किस राज्य सरकार ने सड़क सुरक्षा बल का गठन किया है?
4) कैद सरकार ने लखपति हीरो योजना के लक्ष्य को बढ़ाकर कितना कर दिया है?
5) हाल ही में समाचारों में आए सालहरे किला, शिवनेरी किला और पन्हाला किला किस भारतीय राज्य में स्थित है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) सोडियम सिलिकेट (2) विटामिन ए और डी (3) पंजाब (4) 3 करोड़ (5) महाराष्ट्र

कालरात्रि अभिषेक आज !

छोड़गण्ड (नांदगांव टाइम्स) श्री बन्नेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा संचालित ऊपर एवं छोटी में बन्नेश्वरी मंदिर में 10 अक्टूबर को समीचीन एवं अष्टमी के मध्य रात्रि माताजी को कालरात्रि अभिषेक किया जाएगा। इस दौरान रात्रि 11.30 बजे से 12.30 के मध्य मंदिर का पर बंद रहेगा। पर बंद होने के एक घंटे पूर्व दर्शनार्थियों को सूचना को देवते हुए उन्हें नीचे ग्राउंड पर भी लेना जारिगा।

श्री बन्नेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति और प्रशासन ने इस दौरान दर्शनार्थियों से सवधान्य करने को अपील करते हुए कहा है कि दर्शनार्थी गण रोके जाने पर धक्का-मुक्का न करें। अपनी बारी आने का इंतजार करें और इस दौरान भीड़ में खड़े होने की अपेक्षा मेला घूम कर अपना समय व्यतीत करें।

भाजपायुं झूठे वाद वहाई न लेते

जो कलह है उसे पूरा करें

छोड़गण्ड (नांदगांव टाइम्स)। ब्रह्मिक कोरस कमेट्री के प्रकाश रवि शुक्ला ने एक विज्ञापन जारी कर कहा है कि राजनांदगांव चौकी मोहला मानपुर सड़क चौराहे पर प्रसन्नदिन लगाया है।



हो सकता जना फेरलेन को बात सोच रही जबकि 96 km के सड़क चौकीकरण के लिए पैसा आया है। शुक्ला का कहना है कि यदि फेरलेन बनता तो ट्रैफिक लोके के अनुसार अर्धवर्ग सड़क पर बर्क डिजाइन होकर सड़क बनती, जिसे 2mm.gsb.dbm के दो लेयर टॉप में डाल होता है, पार्थ व बेस बे, पावर-बैकसि कन्वर्टर्सिफि पेट सफित अन्य सुविधाएं आवश्यक रूप से मिलती सिवका कंटेनर अफिक होता किन्तु 290 करोड़ में से संभव नहीं और सबसे बड़ा बजट प्रमन भुजबाका जिसका कोई विकल्प नहीं। एक बार फिर भाजपा सरकार और मौजियों ने अंधेरी जोता को एम्पसमेंस को समन विचारधारे पर लेने को ब्याक करके सड़क चौकीकरण से बाले कंटेनर टूट रहे है।

कविराज टोलागांव में जगरता कार्यक्रम आज

छोड़गण्ड (नांदगांव टाइम्स)। ग्राम कविराज टोलागांव में ग्रामवासियों केवम टुलीवस समिति के संयुक्त तत्वबधन में 10 अक्टूबर को रात्रि में जगरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। ग्राम के पुनर्नवादा मानकपुरी ने अंधल के लोको को जगरता कार्यक्रम का आनंद उठाने को अपील की है।

नवरात्रि में शक्तिशाली है दुर्गाष्टमी

अरविन्द तिवारी

राजनानदांवा (नांदगांव टाइम्स)। या देवी सर्वभू ेपु माँ गौरेश्वरिण्य संस्था। नमस्सत्ये नमस्सत्ये नमो नमः। माँ दुर्गा को अष्टमी शक्ति का नाम महाश्री है। इस अष्टमी को महाश्री या दुर्गाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। इस अष्टमी तिथि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हैं अरविन्द तिवारी ने बताया कि नवरात्रि के आठौं दिन आज महाश्री की आराधना, उपासना का विधान है। इनकी उपासना से भक्तों के सभी पाप विनष्ट हो जाते हैं और वह पवित्र एवं अक्षय पुण्य का अधिकारी हो जाता है। दुर्गाष्टमी देवी दुर्गा को उपासना करने के संवक्षेप दिनों में से एक माना जाता है। महाश्री की पूजा देवी के मूल भाव को दर्शाता है। माँ के ही रूप और दस महाविद्यायें सभी आदिशक्ति के अंश और स्वरूप हैं, लेकिन भगवान शिव के साथ उभरी अर्धांगिनी के रूप में महाश्री सदैव विराजमान रहती हैं। इनकी शक्ति अमोघ और सद्यः परदायिनी है। इसलिये देवी दुर्गा के सभी भक्तों को इस दिन माँ दुर्गा को उपासना करनी चाहिये। इनकी शक्ति अमोघ और परदायी है। ज्योतिष में इनका सम्बन्ध शुक्र नामक ग्रह से माना जाता है, विवाह सम्बन्धी तमाम बाधाओं के निवारण में इनकी पूजा अचूक होती है। कहा जाता है कि माँ महाश्री माता की पूजा करने से पापों से मुक्ति मिलती है और मन में विचारों को शुद्धता आती है। माँ महाश्री हर प्रकार की नकारात्मकता को दूर करती हैं। जो व्यक्ति किन्हीं कारणों से नी दिने कठ उपवास नहीं रख पाते हैं उनके लिये नवरात्र में

प्रतिपदा और अष्टमी तिथि को ब्रत रखने का विधान है। इससे भी दिन ब्रत रखने के समान पत्त मिताता है। इनकी उपासना से भक्तों के सभी पाप विनष्ट हो जाते हैं और वह पवित्र एवं अक्षय पुण्य का अधिकारी हो जाता है। इनका प्यार, पूजन आराधना भक्तों के लिये सर्वविध करुणाकारि है। इनकी कृपा से अलौकिक सिद्धि की प्राप्ति होती है। अष्ट वर्षों धनेतु की अर्थात् इनकी अयुष् इमेजा आठ वर्ष की हो मानी गयी है। इनका वर्य, गौर है इच्छे समस्त वस्त्र और आपूर्ण आदि भी श्रेत है। इनकी पुरी मुद्रा बहुत शक्ति है। इनकी अस्त्र त्रिशूल है। इनका वाहन वृषभ है इसलिये इन्हें वृषभकू और शेत वस्त्र धारण की महाश्री को शोभमयारी भी कहा जाता है। महाश्री को दिन रात की पूजा का विधान है। माँ महाश्री की उपासना सफेद वस्त्र धारण कर करना चाहिये। माँ को सफेद फूल, सफेद मिठई अर्पित



करना चाहिये। करुणाकारि, सेमथी, शांत तथा मुदुत स्वभाव की माँ महाश्री की चार भुजायें हैं। इनके कर्ण को महाश्री को दाहिने हाथ में अक्षय मुद्रा और नीचे वाले दाहिने हाथ में शत्रुल है। अक्षयलते बायें हाथ में शिव का प्रतीक डमरू है। डमरू धारण करने के कारण इन्हें शिवा भी कहा जाता है। माँ के नीचे वाले बायें हाथ अपने बायें हाथ में शिव का प्रतीक डमरू है। डमरू धारण करने के कारण इन्हें शिवा भी कहा जाता है। माँ के नीचे वाले बायें हाथ अपने बायें हाथ में शिव का प्रतीक डमरू है। डमरू धारण करने के कारण इन्हें शिवा भी कहा जाता है। माँ के नीचे वाले बायें हाथ अपने बायें हाथ में शिव का प्रतीक डमरू है। डमरू धारण करने के कारण इन्हें शिवा भी कहा जाता है।

अष्टमी और नवमी पर कन्याओं को घर बुलाकर उन्हें भोजन कराया जाता है। कन्या पूजन के साथ ही ध्यान रखे कि कन्याओं को भोजन कराते समय उनके साथ एक बालक को जरूर बैठकर भोजन कराया। बालक को ब्रह्म पैरव का प्रतीक माना जाता है। देवी माँ के साथ पैरव को पूजा जाने की वेद वेद अस्म माना जाती है। कन्या को पूजा करने के बाद कुछ शोधना भी दी जाती है। इस दिन महिलायें अपने सुहाग के लिये देवी माँ को चुनरी भेंटकर विधिपूर्वक पूजन करती हैं। माना जाता है कि माता सीता ने श्रीराम की प्राप्ति के लिये महाश्री की पूजा की थी। महाश्री की कथा- रथसिद्धि कथा पुराणों के अनुसार माँ महाश्री, देवी पार्वती का एक रूप है। देवी पार्वती का जन्म राजा हिमवलय के घर हुआ था। इनको अपने पूर्वजों की पत्नियों का आधास हो गया था। तब माँ ने पार्वती रूप में भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिये कष्ट तपस्या की थी तथा शिव जी को पति स्वरूप प्राप्त किया था। अपनी तपस्या के दौरान माता कलम कुंभपूर, पत्त और पत्ती का आहार लेती थीं। बाद में माता ने केवल वही पीकर पत्र करना आरंभ कर दिया। शिव जी की प्राप्ति के लिये कष्ट तपस्या करते हुये माँ गौरी का शरीर धूल मिट्टी से ढँककर मलिन वस्त्र काला हो गया था। जब शिवजी ने गंगाजल से उनके शरीर को धोया तब गौरी जी का शरीर गौर व रौप्यमय हो गया तभी से देवी दुर्गाष्टमी के नाम से विख्यात हुई। आज के दिन दुर्गा सारस्वती के मध्यम चरित का पाठ करना विशेष फलदायी होता है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बालोद की टीम ओवर ऑल चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया

राजनानदांवा (नांदगांव टाइम्स)। राज्य स्तरीय आदिम जति करुणाण आवासीय एवं आश्रम शिक्षाण संस्था समिति के निर्देशानुसार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के लिए राष्ट्रीय खेल महोत्सव 2024 'मध्य क्षेत्र संभाग क्रमांक 2 त्तर का आयोजन' दिग्बिजय स्टेडियम एवं अंतर्राष्ट्रीय हाकी स्टेडियम राजनांदगांव में किया गया। प्रतियोगिता में गिरियावद, बालोद, धमनरी, महासमुद्र, मोहला-मानपुर-अभ्यन्दाय चौकी एवं राजनांदगांव जिले में संचालित 8 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के 415 प्रतिभागियों ने 14 वर्ष से कम आयु वर्ग तथा 19 वर्ष से कम आयु वर्ग को विभिन्न खेल विधाओं में भाग लिया। व्यक्तिगत स्पर्धा के 11 खेल तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शतरंज, जूडो, तेरांगो, टेबल टेनिस, ताडकाठो, भारोत्तोल, कुत्ती, योगा तथा टैनीस स्पर्धा के 6 खेल बास्केटबॉल, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो-खो, बालीबॉल में स्पर्धा हुई। दिग्बिजय स्टेडियम में एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग, रसलिंग, तीरंदाजी, बैडमिंटन, योगा,



बास्केटबॉल एवं सैंबॉर दास नगर पालिक निगम म्युनिसिपल स्कूल में शतरंज, फुटबॉल एवं स्टेड हाई स्कूल में कबड्डी, डाक्यू प्यरेलात स्कूल में खो-खो खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाण पत्र तथा प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों व टीम को गोल्ड,

सिल्वर एवं ब्राज मेडल प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बालोद की टीम ओवर ऑल चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया। इसी तरह एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय गिरियावद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कौशली साहू अंतर्राष्ट्रीय हाकी स्टेडियम राजनांदगांव में राष्ट्रीय खेल महोत्सव के बहत मध्य क्षेत्र संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय कि खेल भावना से खेलने की शपथ दिलाई तथा विद्यार्थी जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।

35th वेस्ट ज़ोन जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप, नागपुर में छत्तीसगढ़ के एथलीटो ने जीता 34 पदक

राजनानदांवा (नांदगांव टाइम्स)। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा 35th वेस्ट ज़ोन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2024 तिनाको 04 से 06 अक्टूबर 2024 तक नागपुर (महाराष्ट्र) में आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गोवा, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ आदि 6 राज्य के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने आनंदार प्रदर्शन करे 34 पदक प्राप्त किया एवं प्रतियोगिता में चौथे नंबर पर रहा। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वालों में डू कु? शरणा भगत (-18 गर्व) लॉग जंप, डू कु? वीर भागवत (-18 गर्व) 100 मीटर रन, शिवान सिंह (-20 गर्व) 400 मीटर रन, डू कु? राधेश साहू (-18 गर्व) शॉटपुट, अमित कुमार वावडे (-20 गर्व) 100 मीटर रन, मोहित सिंह (-16 गर्व) जैवबलन शो, रावेरा इतमाम (-14 गर्व) किहडू जैवबलन शो। सिल्वर मेडल प्राप्त करने वालों में डू कुमारी सुमन्या माहकपुरी श्री 400 मी रस, कुमारी दामिनी (-20 गर्व) लॉग जंप, आलुतुबी

तिवारी (अंडर 20 बॉयज) 1500 मी रस, नेशा कुमार चंडेदर (अंडर 20 बॉयज) 400 मी रस, डू? होमेभर राव (अंडर 18 बॉयज) 1000 मी रस, डू? जानकी निवार (-20 गर्व) जैवबलन शो, डू? सुरीला (अंडर 14 गर्व) 600 मी रस, अमित कुमार चावडा अंडर (अंडर 20 बॉयज) 200 मी रस, डू? सुनील साहू (अंडर 18 गर्व) 200 मी रस, श्या कुमार (अंडर 18 बॉयज) 5000 मी. रस बॉक, डू? देविका वावड (-अंडर 18 गर्व) 3000 मीटर रन बॉक, भुशरा मांडवी अंडर (अंडर 20 बॉयज) 800 मी. रस, कु? सपना अशा (-20 गर्व) 400 मी हर्टलस, ब्रज मेहल प्राप्त करने वालों में डू कु? सीता सल्ला (-20 गर्व) 5000 मी? रस, कु? चंद्रशेखर नेमाम (-20 गर्व) 100 मी हर्टलस, डू? दार्शनिक (-18 गर्व) 100 मी हर्टलस, कु? अंधन (-16 गर्व) पेटाडलम, कु? शशा शो (अंधन) 1000 मी? रस, कु? रेणुका (-20 गर्व) डिस्कस शो, तेजरा गोड (-16 बॉयज) लॉग जंप, राहुत (अंडर 20 बॉयज) 400 मी रस, शुभम कुमार साहू (अंडर 20

बॉयज) 10000 मी? रस, राम चरण (अंडर 18 बॉयज) डिस्कस शो, हर्ष निवार (अंडर 18 बॉयज) 1000 मी? रस, रमेश साहू (अंडर 20 बॉयज) 3000 मी? स्टैपलचेज, अनंतम (अंडर 18 बॉयज) लॉग जंप, जी. एस. प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा पदक विवालयपुर जिला से 9, बालोद से 6, देवीबाबा से 3, दुर्ग से 3, रायपुर से 2, जयपुर से 2, महासमुद्र से 2, सूजपुर से 1, धमनरी से 1, राजनांदगांव से 1, बालोद बाजार से 1 एवं सरगुजा से 1? इस प्रकार कुल 34 में 07 गोल्ड, 14 सिल्वर एवं 13 ब्राज मेडल छत्तीसगढ़ के एथलीटों के नाम रहा। उद्योगिक प्रतिभागियों में प्रथमक एवं प्रथमक के रूप में विवालयपुर एथलेटिक्स अकेडमी के डायरार्थ अश्वार्थी कौच श्री जी एस भांडिया जी, सुदरन कृष्ण सिंह, कामता प्रसाद वावड, सुनील निवार, दामिनी सिंह, संदीप कुमार, डू? अंबल भात आदि के अतिरिक्त 12 अभिभावक भी उपस्थित हुए। इस प्रतियोगिता के मेडलस्टैंड खिलाड़ियों को माननीय प्रतिनिधी श्री विष्णु देव साय, उन्मुखमंडी श्री अरुण साय, उन्मुखमंडी श्री

विशय शर्मा, खेल मंत्री श्री टंकमाम वर्मा, श्री अमर अग्रवाल विवालयपुर विधाक, श्री सुशांत शुक्ला बेलारा विधाक, श्री जसजीत सिंह, संचित श्री हलामिशर गुर्ग, संजीव श्रीमती तनुजा साहू, अरुण जी, संचायक शुक्ला, कलेक्टर श्री अनंशुभा कुमार शरण, पुलिस अधीक्षक रजनेश शरण, नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, गुरमी सिंह अठवाल, दिनेश तोंडी, डू? मेजर सिंह, अनंदकु, सुभाष सिंह, एल.एल. वावड, एच.ए.ए. के. नायक, ब्रह्मदेव सिंह, बलीम, सुरेश कुमार, सुनील निवार, हरीश हिस्कार, के? अर्जुन, अशोक सिंह, सुनील कुमार, विवेक नायर, नूतन सिंह, दीपक पटेल, श्रीकांत पाटी, नरेश कुमार, सारसनी, कामता प्रसाद वावड, नरेश कुमार, सचिव महर्षी, दीपक साहू एवं विक्रम भाट आदि ने खिलाड़ियों से उज्ज्वल विजयों के लिये बाधाएं एवं प्रशंसापत्राएं दीं। यह जानकारी छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वबधन एवं प्रका हेमंत सिंह परिशर ने दी।

धर्म समाचार....

नवमी तिथि पर दुर्लभ शिवावास योग का हो रहा है निर्माण, प्राप्त होगा दोगुना फल

ज्योतिषियों की मानें तो 11 अक्टूबर (हनु) शुद्ध 2024 शुद्ध। हनु शुद्ध हनु) को शारदीय नवरात्र की अष्टमी एवं नवमी है। इसके अगले दिन शरदरा मानया जाएगा। नवरात्र की अष्टमी तिथि पर माँ महाश्री की पूजा एवं उपासना की जाती है। जगत की देवी माँ महाश्री की उपासना करने से साधक के सभी दुर्खों का नाश होता है। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है।



शारदीय नवरात्र शिवावास योग नवमी तिथि पर जगत जननी आदिशक्ति का दुर्गा के नीवें स्वरूप माँ सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। साधक मनकोषिधर प्ल को प्राप्ति और शुभ कार्यों में सिद्धि प्राप्त करने के लिए नवमी तिथि पर ब्रत रखते हैं। कई साधक नवमी तिथि पर पूजन एवं हवन के बाद श्रवण लेते हैं। माँ सिद्धिदात्री की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। आहार, शुभ योग और मुदूर्त जानते हैं- शुभ मुदूर्त वैदिक पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 11 अक्टूबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर 07 मिनट पर शुरू होगी और 12 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 58 मिनट पर समाप्त होगी। इस दिन ही अष्टमी का ब्रत भी रखा जाएगा। बर्दा, दोपहर में माँ सिद्धिदात्री की पूजा की जाएगी। साधक अपनी सुविधा अनुसार समय पर माँ सिद्धिदात्री की पूजा कर सकते हैं। शिवावास योग शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर

दुर्लभ शिवावास योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का संयोग दोपहर 12 बजकर 07 मिनट से हो रहा है। शिवावास योग के दौरान देवों के देव महोत्सव केलाशय पर जगत की देवी माँ पार्वती के साथ रहेंगे। शिवावास योग के समय में भगवान शिव एवं माँ पार्वती की पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है। इस दौरान शिव-शक्ति की पूजा करने से साधक के सफल मनोरथ सिद्ध होंगे। शुभकर्म योग नवरात्र की नवमी तिथि पर सुकर्मों योग का भी निर्माण हो रहा है। इस योग का शिवावास 12 अक्टूबर को देर रात 02 बजकर 47 मिनट तक है। ज्योतिष सुकर्मों योग की शुभ मानते हैं। इस योग में माँ सिद्धिदात्री की पूजा करने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर बलिदान करना का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष बालक करण की शुभ मानते हैं। इस शुभ दिन पर उत्तराषाढा नक्षत्र का भी संयोग है। इन योग में माँ सिद्धिदात्री की पूजा करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

अन्नपूर्णा मंदिर में दान करते हैं सैनेटरी पैड-मैट्टरअल कप, मोटा अनाज और कांपी-किताबें भी, फिटर जल्दतमदों में बांट देते हैं

आमतौर पर मंदिरों में भक्त अपनी ब्रद्धा से रुपए, सोना और चांदी का दान करते हैं, लेकिन मध्यप्रदेश में एक ऐसा मंदिर भी है, जहां मनोकामना पूर्ण होने पर सैनेटरी पैड और मैट्टरअल कप दान किए जाते हैं। यह मंदिर भोपाल की अंरता कालिनी ई-7 में है। इसे अन्नपूर्णा देवी मंदिर के नाम से जाना जाता है। माँ अन्नपूर्णा के दरबार में 20 जून 2023 से भक्त तीन प्रकार के दान करते आ रहे हैं। पहला- मोटा अनाज, दूसरा- विद्या दान (कांपी-किताबें, पेंसिल) और तीसरा आरोग्य दान (सैनेटरी पैड, मैट्टरअल कप)। बाद में दान में मिली इन चीजों को जल्दतमदों में बांट दिया जाता है।



कैसे हुई इसकी शुरुआत- भोपाल के शेरश फाउंडेशन के डायरेक्टर दीपानंद सुब्रह्मणी दिनेश भास्कर से बातचीत में बताते हैं, 'इसकी शुरुआत 1 साल पहले 20 जून 2023 से की। आदिवासी केसे आया- दीपानंद ने बताया, सोमल फाउंडेशन को हम सोमल शेरश से जोड़ते हैं। हम लोग माँ के दरबार में चढ़ावे के लिए 100-200 रुपए की पूजा - माला सरोजिते हैं। इससे दान में पूरा-मालाओं को कचरे में खलना पड़ता है। मुझे इसमें कुछ बेनिफिकेंसरी नहीं लगा। लोगों को आसना का सम्मान करना है, लेकिन हमें कुछ करना चाहता, जिससे पूरे का सही जवाब बूझ हो। एक साल में 15 हजार से ज्यादा सैनेटरी पैड दान में आए-दीपानंद ने बताया कि दुर्गा बालों में दान में मिलने वाले सैनेटरी पैड, मैट्टरअल कप, मोटा अनाज के अलावा कांपी-किताबें, पेन-सैमल भोपाल के फेमिली प्लानिंग एडोसिएशन को मदद से रसम एरिया और सकारा कोष के बच्चों में बांट दिए जाते हैं। पिछले एक साल में 15 हजार से ज्यादा सैनेटरी पैड लोग दान कर चुके हैं। अनाज के लिए दान पत्र लगा रहा है। इसकी खिचड़ी बनाकर हम बॉक्स में पैक कर रसम एरिया और पुढयाप पर रने वाले लोगों में बांटते हैं। साल में ऐसे 25 हजार से ज्यादा बॉक्स बांट चुके हैं।

